



NATIONAL SENIOR CERTIFICATE EXAMINATION
NOVEMBER 2023

HINDI FIRST ADDITIONAL LANGUAGE: PAPER II

Time: 2 hours

70 marks

PLEASE READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY

1. This question paper consists of 6 pages. Please check that your question paper is complete.
 2. Read the instructions to each question carefully.
 3. Answer all sections.
 4. All answers must be written in the Hindi script.
 5. You may use the last 4 pages of the Answer Book for rough work. Cross out all rough work before handing in your Answer Book.
 6. It is in your own interest to write legibly and to present your work neatly.
-

निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं दो पर पूछे गये प्रश्नों का उत्तर हिन्दी में दीजिए ।

प्रश्न एक

कविता: किरण

१.१ १.१.१ निम्नलिखित पंक्तियों का सही अर्थ समझाए ।

“किरण! तुम क्यों बिखरी हो आज, रँगी हो तुम किसके अनुराग,
स्वर्ण सरजित किंजल्क समान, उड़ाती हो परमाणु पराग।” (७)

१.१.२ कविता के आरम्भ में कवि क्यों किरणों की बिखरी बाल पर प्रकाश डालते हैं ? (४)

१.१.३ चर्चा करें कि कविता की भावना का वर्णन करने के लिए कवि मानवकिरण का उपयोग कैसे करता है । (४)

कविता: हिमालय

१.२ “हिमालय” कविता पर एक सारांश लिखिए । (१६)

१.३ दोनों कविताओं में प्रकृति किस प्रकार प्रमुख भूमिका निभाती है ? (४)

[३५]

प्रश्न दो

कविता: लक्ष्मण परशुराम संवाद

निम्नलिखित काव्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

२.१ “नाथ संभुधनु भंजनिहारा, होइहि केउ एक दास तुम्हारा ॥
आयेसु काह कहिअ किन मोही । सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही ॥
सेवकु सो जो करै सेवकाई । अरिकरनी करि करिअ लराई ॥
सुनहु राम जेहि सिवधनुष तोरा । सहसबाहु सम सो रिपु मोरा” ॥

२.१.१ परशुराम के क्रोधित होने का क्या कारण था ? (२)

२.१.२ राम ने किस प्रकार स्वीकार किया कि धनुष उन्हीं ने तोड़ा है ? (३)

२.१.३ परशुराम ने सेवक और शत्रु के विषय में क्या कहा है? (४)

२.२ “सो बिलगाउ बिहाइ समाजा। नत मारे जैहहिं सब राजा ॥
सुनि मुनि बचन लखन मुसुकाने । बोले परसुधरहिं अपमाने ॥
बहु मनुहीं तोरीं लरिकाई। कबहुँ न असि रिस कीन्हि गोसाई ॥
एहि धन पर ममता केहि हेतू । सुनि रिसाइ कह भृगुकुलकेतू॥
रे नृप बालक काल बस बोलत तोहि न सँभार । धनुही सम तिपुरारि धनु बिदित
सकल संसार” ॥

२.२.१ परशुराम ने क्या चेतावनी दी थी ? (३)

२.२.२ लक्ष्मण की किस बात को सुनकर परशुराम को अधिक क्रोध आया था ? (३)

२.२.३ परशुराम के अनुसार लक्ष्मण किसके बस में होकर बोल रहा था ? (२)

२.३ लखन कहा हँसि हमरें जाना। सुनहु देव सब धनुष समाना।
का छति लाभु जून धनु तोरें । देखा राम नयन के भोरें ॥
छुअतटूट रघुपतिहिं न दोसू । मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू ।
बोले चितइ परसु की ओरा । रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा ॥

२.३.१ लक्ष्मण ने परशुराम के क्रोध को अकारण क्यों कहा ? (४)

२.३.२ परशुराम ने सभा में अपने स्वभाव के विषय में क्या कहा ? (३)

२.३.३ लक्ष्मण सभी धनुषों को कैसे मानते थे ? (२)

२.४ (घ) कौंसिक सुनहु मंद येहु बालकु । कुटिल काल बस निज कुज घालकु
भानु बंस राकेस कलंकू। निपट निरंकुस अबुध असूंक ॥
काल कतल होइहि छन माही । कहऊँ पुकरि खोरि मोहि नाहीं ॥
तुम्ह हटकहु जो चहहु उबारा । कहि प्रतापु बलु रोषु हमारा ॥

२.४.१ परशुराम ने लक्ष्मण को 'भानुबंस राकेस कलंकू' क्यों कहा है ? (३)

२.४.२ यहाँ कौंसिक किसे कहा गया है ? कौंसिक को संबोधित कर लक्ष्मण के विषय में परशुराम क्या कह रहे हैं ? (३)

२.४.३ परशुराम, कौंसिक को, लक्ष्मण को बचाने का क्या उपाय बताते हैं ? (३)

[३५]

प्रश्न तीन

कहानी: पुरस्कार

- ३.१ ३.१.१ मधुलिका ने अपनी देशभक्ति का परिचय कैसे दिया ? (४)
- ३.१.२ पुरस्कार कहानी का सारांश क्या है ? (६)
- ३.१.३ जब मधुलिका के राजकुमार और मधुलिका वृक्ष के पास बैठे थे, तो उस पल और मिलन को वर्णन कीजिए । (५)
- ३.१.४ कहानी से आप क्या सबक सीखते हैं ? (५)
- ३.१.५ पुरस्कार की कहानी के नायक का नाम क्या है? (३)
- ३.१.६ पुरस्कार का क्या महत्व है ? (३)
- ३.१.७ सीखने पर पुरस्कार का क्या प्रभाव पड़ता है ? (४)
- ३.१.८ "पुरस्कार" का हिंदी अर्थ कहानी का अनुसार लिखिए । (२)
- ३.१.९ मधुलिका ने पुरस्कार के लिए क्या मांगा ? (३)

[३५]

अथवा

- ३.२ "पुरस्कार" कहानी पर एक निबंध लिखें और वर्णन करें कि शक्ति और देशभक्ति का चित्रण करते हुए पात्र कहानी को कैसे विकसित करते हैं।

[३५]

प्रश्न चार

नाटक: मैं और केवल मैं

४.१ निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए:

४.१.१ इस एकांकी का लेखक कौन थे ? (२)

४.१.२ वर्णन करें कि "मैं और केवल मैं" का लेखक आदर्श और वास्तविक के बीच अंतर कैसे दर्शाता है ? (७)

४.१.३ रामेश्वर और खन्ना का रिश्ता कैसा था ? (४)

४.१.४ रामेश्वर की निजी जिंदगी में ऐसा क्या होता है जिससे वह बहुत नाराज हो जाते हैं? (६)

४.१.५ इस नाटक का स्थान कहाँ है? (२)

४.१.६ इस दफ्तर किसकी है ? (२)

४.१.७ इस नाटक में "मैं" का प्रयोग करके लेखक का संदेश क्या है? (४)

४.१.८ "मैं और केवल मैं" में कृष्णचंद्र किस तरह की भूमिका निभाते हैं? (८)

[३५]

अथवा

४.२ नाटक "मैं और केवल मैं" से यह प्रश्न का उत्तर हिन्दी में दीजिए । निबंध लिखिए ।

नाटक: मैं और केवल मैं

श्री वर्माजी का इस एकांकी मानव व्यवहार और भावनाओं से संबंधित है। वर्णन करें कि प्रत्येक पात्र किस तरह से दूसरे को व्यवहार और बातचीत करते हैं और नाटक की कहानी को कैसे विकसित करता है।

[३५]

Total: 70 marks